प्रेस विज्ञप्ति

14 जून 2021, गोरखपुर।

विश्व रक्तदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 14 जून को पुरे विश्व मे एक अभियान के रूप मे मनाया जाता है। इसके अंतर्गत गोरखनाथ ब्लड बैंक मे भी आभासी(वर्चुअल) संगोष्ठी एवं रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। यह दिवस वैज्ञानिक कार्ल लैंड स्टाइनर के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे मनाया जाता है । इनका जन्म 14 जून 1868 मे हुआ था । इन्हें रक्तसमूह की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। यह जानकारी ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने दी।

आज इस आभासी संगोष्ठी मे देश के कोने- कोने से वैज्ञानिक, डॉक्टर, प्रोफ़ेसर और चिकित्सा क्षेत्र के लोग जुड़े। डॉ प्रशांत पाण्डेय (जे. पी. हॉस्पिटल, नोएडा उ. प्र.) , डॉ गीता अग्रवाल(राज्य रक्त संक्रमण परिषद, लखनऊ) , श्री ए. के. जैन (औषधि नियत्रक, उ. प्र.) , श्री ए. के. पाण्डेय (पूर्व औषधि नियंत्रक, उत्तर प्रदेश), श्री बृजेश यादव (औषधि निरीक्षक, लखनऊ), श्री जय सिंह (औषधि निरीक्षक गोरखपुर), मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी (निदेशक, गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर), डॉ ममता जायसवाल (ब्लड बैंक प्रभारी) स्वरक्तदाता श्री जशपाल सिंह एव श्री अमर सिंह ऑन लाइन गूगल मीट से जुड़े। इस वर्चुअल गोष्ठी मे श्री ए. के जैन ने बताया की रक्तदान से बड़ा पुण्य का काम कोई नहीं है , उन्होंने जनमानस से निवेदन किया की रक्तदान मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले और बहुमूल्य जीवन का उपहार दें । अगले वक्ता के रुप मे डॉ गीता अग्रवाल ने बताया की उत्तर प्रदेश मे लगभग 300 ब्लड बैंक कार्यरत है तथा करोना काल मे भी रक्त संग्रह मे कोई कमी नहीं आयी, उत्तर प्रदेश मे सामान्यतः चार लाख यूनिट रक्त का संग्रह होता है इस करोना काल मे 40 से 50 हजार ही कम संग्रह हुआ । उन्होंने आगे बताया की गोरखनाथ ब्लड बैंक एक आदर्श ब्लड बैंक है अन्य ब्लड बैंको को इसी मॉडल को देखते हुए कार्य करने की जरुरत है। इसी क्रम में डॉ प्रशांत पाण्डेय परामर्श वरिष्ठ रक्तधान वैज्ञानिक ने बताया की गोरखनाथ ब्लड बैंक लगभग सभी कार्यों को मानक के अनुरूप सफलता पूर्वक कर रहा है। आगे उन्होंने सुझाव दिया की नियूक्लीक एसिड टेस्ट आरंभ किया जाना चाहिए, जिससे रक्त जनित रोगों को बेहतर रूप से प्रसारित होने से रोका जा सके। वहीँ श्री ए. के. पाण्डेय ने बताया

की मेरे कार्यकाल मे ही गोरखनाथ ब्लड बैंक का लाइसेंस प्रदान किया गया था मैंने अपने पुरे कार्यकाल मे इतना अच्छा कार्य किसी और ब्लड बैंक को करते नहीं देखा। श्री जय सिंह ने बताया की नियमों तथा मानकों का पालन गोरखनाथ ब्लड बैंक अभूतपूर्व रूप से सम्पादित कर रहा है, यहाँ रक्त संग्रह अधिक मात्रा मे होता है , इसीलिए न केवल पूर्वांचल अपितु निकट प्रदेश बिहार तथा सीमावर्ती देश नेपाल को भी रक्त की आपूर्ति निरंतर होती रहती है। स्वरक्तदाता श्री जशपाल सिंह जिन्होंने 75 बार से अधिक बार रक्त दान किया है उन्होंने अपनी अनुभव साझा करते हुए बताया की गोरखनाथ ब्लड बैंक की व्यवस्था देखते हुए अधिकतर रक्तदान इसी ब्लड बैंक मे किया है, एक और स्वरक्तदाता अमर सिंह जो पेशे से शारीरिक शिक्षा विज्ञान के शिक्षक है और लगभग 45 बार रक्तदान कर चुके है, उन्होंने लोगो को प्रोत्साहित करते हुए कहा की शरीर मे जितना रक्त की मात्रा है ये मात्रा ना ही भविष्य मे बढेगा ना ही अपने बच्चो अन्यथा किसी अन्य को मृत्यु के पश्चात छोड़ कर जा पाएंगे । अतः जीवन काल मे ही इस बहुमूल्य पदार्थ को नियमित दान देकर कई प्राणों की रक्षा करना ही उचित है।इस कार्यक्रम का संचालन डॉ अवधेश अग्रवाल ने किया।
आज इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में स्वरक्तदाताओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया रक्तदान करने वालों में कुछ प्रमुख जैसे श्री रितेश सिंह, रजनीश कुमार, सौरभ प्रताप, सिद्धार्थ सिंह, मधुसूदन, हिमांशु उपाध्याय, संतोष, चैतन्य इत्यादि शामिल हैं। इन सभी रक्त दाताओ को फल, मिठाई, कॉफी, इत्यादि जलपान वितरित किया गया। सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र, की चैन इत्यादि उपहार स्वरुप दिया गया।
इस कार्यक्रम मे चिकित्सालय के अपर निदेशक डॉ कामेश्वर सिंह, चिकित्सक गण, कर्मचारीगण नगर के गणमान्य ब्यक्ति तथा पत्रकार बंधुओं समेत कई लोग मौजूद रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस - 14 जून 2021, सोमवार
आभासी (वर्चुअल) वैज्ञानिक संगोष्ठी (वेबिनार) एवं रक्तदान शिविर
Give Blood and keep the world Beating (रक्त देकर विश्व को स्पंदन प्रदान करें)
रक्षनाथ ब्लड बैंक एवं कॉम्पोनेन्ट सेन्टर गोरखनाथ मंदिर परिसर, गोरखनाथ, गोरखपुर
Infinix HOT 10